प्रसव
(LABOUR)

Definition of Labour – (प्रसव की परिभाषा)

- प्रसव जनन अंगो में होने वाले परिवर्तनों का क्रम है जिसके द्वारा गर्भाशय में उपस्थित जीवित भ्रूण को योनि में से होकर शरीर से बाहर निकालने का प्रयास किया जाता हैं |
- आम तौर पर Labour एवं Delivery को समानार्थक शब्द समझते हैं परन्तु इनकी वास्तविकता में अंतर होता हैं |
- Delivery गर्भाशय से भ्रूण का बाहर आना है यह प्रक्रिया स्वतः भी होती है और प्रेरित भी किया जाता है जिसमें शिशु को आपरेशन द्वारा बाहर निकाला जाता हैं |

Types of Labour- (प्रसव के प्रकार)

I. सामान्य प्रसव
II. असामान्य प्रसव

सामान्य प्रसव - प्रसव की समान्य अवस्था में शिशु Vertex प्रस्तुति में होता है गर्भावधि की समाप्ति पर स्वतः आरम्भ होता हैं |

असामान्य प्रसव – यह स्वतः आरम्भ नही होती है | प्रस्तुति असामान्य होती है | असामान्य प्रसव को Dystocia कहते है – Baby एवं Mother का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता हैं |

प्रसव की संभावित तिथि (Expected Date Delivery)-

प्रसव तिथि की भविष्यवाणी करना असंभव होता है | ऐसा प्रत्येक स्त्री की शारीरिक स्थिति एवं हार्मोन्स के स्तर में अंतर के कारण होता हैं |

प्रसव की संभावित तिथि की गणना हेतु '**Naegele's Formula**' का उपयोग किया जाता है |

E.D.D. - प्रसव की संभावित तिथि –अंतिम मासिक धर्म का प्रथम दिन +9 माह +7 दिन

Stages Of Labour (प्रसव की अवस्थाएँ)-

सम्पूर्ण प्रसव की अवधि को चार अवस्थाओ में विभाजित किया गया है -

1. **First Stage (प्रथम अवस्था)**

यह वास्तविक पीड़ा के साथ आरम्भ होता है एवं ग्रीवा के सम्पूर्ण विस्तारण (Dilatation) पर समाप्त होता है |

i. **गुप्त अवस्था (Latent Phase)-**

यह वास्तविक पीड़ा के साथ आरम्भ होता है |

- अवधि – Primigravida-20 घंटे , Multipara-14 घंटे

ii. **सक्रिय अवस्था (Active Phase)-**

ग्रीवा के 3-4 cm dilatation से शुरू होती है ओर पूर्ण dilatation पर समाप्त हो जाती है |

अवधि – Primigravida - 5 घंटे ,Multipara - 4 घंटे

2. **द्वितीय अवस्था (Second Stage)-**

   यह ग्रीवा के सम्पूर्ण dilatation के पश्चात् आरम्भ होता है और शिशु के जन्म के साथ समाप्त हो जाता है |

   (i) **Propulsive Phase-** इस अवस्था में शिशु के शरीर का presenting part pelvic cavity में नीचे आ जाता है |

   (ii) **Expulsive Phase-** इसमें स्त्री द्वारा शिशु के जन्म देने का सक्रिय प्रयास किया जाता है| यह प्रयास 'Bearing down efforts' कहलाता है | इस चरण में शिशु का जन्म होता है |

   - **औसत अवधि –** Primipara - 2 घंटे
     Multipara- 30 मिनट

3. **तृतीय अवस्था (Third Stage)-** यह अवस्था शिशु के जन्म के पश्चात आरम्भ होती है ओर Placenta (अपरा) के निष्कासन के साथ ही समाप्त होती है |
   - सामान्य अवधि -30 मिनट जबकि औसत अवधि 15 मिनट होती है |
4. **चतुर्थ अवस्था (Fourth Stage)-** यह अपरा के निष्कासन के पश्चात एक घंटे का समय होता है |इसमें स्त्री की सामान्य दशा एवं प्रसव पश्चात रक्त स्राव एवं गर्भाशय की प्रक्रिया का अवलोकन किया जाता है |

आभासी एवं वास्तविक प्रसव
(False and True Labour)

आभासी प्रसव (False Labour)- यह Primigavida में Multipara स्त्रियों की तुलना में अधिक होता है | यह वास्तविक प्रसव से पूर्व उत्पन्न होता है |

अवधि - Primigravida - 2-3 सप्ताह
- Multipara

- स्त्री उदर (Abdomen) में पीड़ा का अनुभव करती है |

लक्षण - यह प्रवृति में धीमा (Dull) होता है |
- यह सतत् (Continuous) होता है |
- यह Uterine Contractions से सम्बन्धित नहीं होता है |
- Cervix के Dilatation पर कोई प्रभाव नहीं होता है |

वास्तविक प्रसव (True Labour)- यह वास्तविक प्रसव होता है

- इसमे नियमित अंतराल पर गर्भाशय में दर्द युक्त संकुचन उत्पन्न होता है |
- 'Show' की उपस्थिति होती है |
- गर्भाशय में होने वाले संकुचन समय के साथ तीव्र होते है |
- इसमे Cervix में Dilatation एवं Effacement होता है |
- "Bag of Water" का निर्माण होता है |

प्रसव-पूर्व का समय (Pre-labour Stage)- यह Premonitory stage भी कहलाती है |

यह Primigravidae में वास्तविक प्रसव (True Labour) से 2-3 सप्ताह पूर्व आरंभ हो जाती है जबकि Multipara स्त्री में यह true Labour के कुछ दिन पूर्व ही आरंभ होती है |

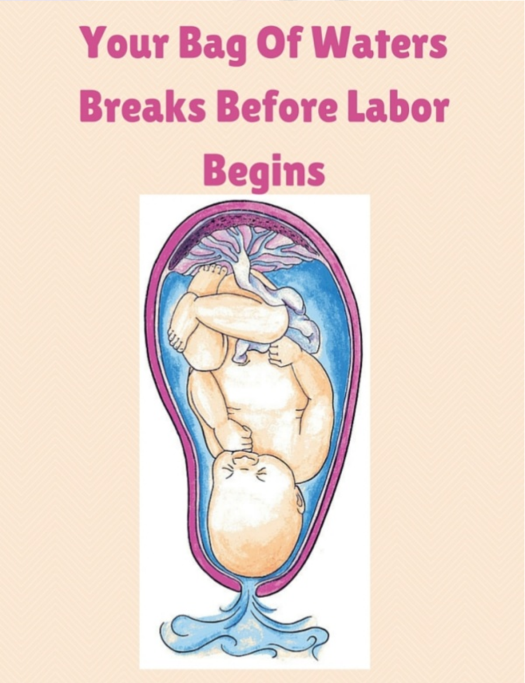

लक्षण –

Lightening- गर्भावस्था के अंतिम दिनों में शिशु का **Presenting Part True Pelvis** में खिसक जाता है |

- **Fundal hight** कम हो जाती है |
- **Welcome sign** भी कहते है |

- **Cervical Changes –** Cervix अधिक सॉफ्ट हो जाती है इसकी लम्बाई 1.5 cm से भी कम रह जाती है | 2 cm का Dilation पाया जाता है |
- **Appearing of False Pain-** स्त्री को आभासी दर्द का अनुभव होता है |

प्रसव आरम्भ होने के कारण
Causes of Onset of Labour

गर्भावधि का समय लगभग 280 दिन होता है |यह अवधि समाप्त होने पर प्रसव–क्रिया द्वारा शिशु का जन्म होता है | प्रसव-क्रिया आरम्भ होने के लिए निम्न कारण माने जाते है -

गर्भाशय विस्तार (Uterine Distension)- गर्भावस्था के समय गर्भाशय के आकार में वृद्धि होती है | Uterus में भ्रूण के उपस्थिति के कारण गर्भाशय की Myometrium की पेशियों में खिंचाव (Stretching) होने के कारण प्रसव-क्रिया आरंभ होती है |

- इसी प्रकार जुड़वा बच्चों एवं Polyhydramnios में गर्भाशय की पेशियों में तुलनात्मक अधिक खिंचाव आता है | इन Case में प्रसव सामान्यतः 9 माह पूर्व होने पर ही होती है |

हार्मोन्स का प्रभाव (Hormonal Effect)-

(i) इस्ट्रोजन (Estrogen)-

- हार्मोन पिट्यूटरी ग्रन्थि से Oxytocin स्त्रवण को प्रेरित करता है |
- गर्भाशय की मायोमेट्रियम में Oxytocin की संकुचनशीलता को बढ़ाता है जिससे गर्भाशय में संकुचन होता है |
- प्रोस्टाग्लैंडिंस (Prostaglandins) Labour Pain उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है |
- Myometrium की संकुचनशीलता को बढ़ाता है |

प्रोजेस्ट्रोन (Progesterone)- गर्भावस्था को बनाए रखने वाला हार्मोन है इसका स्तर गर्भावधि के समाप्त होने पर कम हो जाती है एवं इस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है |

- इन दोनों हार्मोन के स्तर में यह परिवर्तन प्रोस्टाग्लैंडिंस के निर्माण को प्रेरित करता है |
- Prostaglandins मायोमेट्रियम में संकुचन प्रेरित करता है |

ऑक्सीटोसिन (Oxytocin)-यह प्रसव का मुख्य हार्मोन होता है | यह गर्भाशय में संकुचन और Prostaglandins के निर्माण को प्रेरित करता है |

अपरा के प्रभाव (Placental Effect)-प्रसव क्रिया में अपरा भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है एवं टूटता हुआ अपरा **रिलैक्सिन (Relaxin)** हार्मोन स्रावित करता है |

- **रिलैक्सिन (Relaxin)-** यह हार्मोन Symphysis Pubis एवं Sacro-illiac joint को ढ़ीला कर देता है जिससे शिशु Pelvic Cavity में आसानी से प्रवेश कर जाता है |

तंत्रिका कारक (Neurological Factors)-

गर्भावस्था की Myometrium परत में क्रमशः α-एवं β- Adrenergic संवेदी तंत्रिका तंतु उपस्थित होते है यह दोनों तंतु इस्ट्रोजन एवं प्रोजेस्ट्रोन हार्मोन के प्रभाव के परिणाम स्वरूप उद्दीपित हो जाते है एवं यह संवेदनाए तंत्रिकीय गुच्छ से होती हुई मेरुदंड तक पहुँचती है जिसके परिणाम स्वरूप Uterus एवं Cervix में संकुचन आरम्भ हो जाता है |

गर्भावस्था व प्रसव संबंधी शब्दावली (Terminology Related to Pregnancy and Labour)

- **Gravida -** यह वर्तमान एवं पूर्व में उपस्थित रही गर्भावस्था को इंगित करती है। Parity यह वर्तमान से पूर्व गर्भावस्था की अवस्था है, जिसमें स्त्री द्वारा जन्म दिए गए बच्चों की संख्या को गिना जाता है।
- **Nulliparity-**यह एक अवस्था है, जिसमें स्त्री ने कभी किसी जीवित शिशु को जन्म नहीं दिया है ना ही इस स्त्री ने गर्भावस्था की viability stage पार की है।
- **Nullipara-**यह वह स्त्री होती है, जिसने कभी शिशु को जन्म न दिया हो ।

- **Viability stage or period -** यह गर्भावस्था की वह अवधि होती है, जिसके पश्चात् शिशु स्वतंत्र रूप से जीवित रहने की क्षमता ग्रहण कर लेता है। यह लगभग 28 सप्ताह होती है।
- **Primigravida**-प्रथम बार गर्भधारण करने वाली स्त्री primigravida कहलाती है।
- **Primipara -** स्त्री जिसने प्रथम शिशु को जन्म दिया है, primipara कहलाती है। Primiparity-यह प्रथम शिशु को जन्म देने की अवस्था है।
- **Multigravida-** यह वह स्त्री होती है, जो इससे पहले गर्भधारण कर चुकी होती है। Multipara यह वह स्त्री होती है, जो इससे पूर्व शिशु को जन्म दे चुकी होती है ।
- **Parturition-** प्रसव क्रिया ।
- **Parturient**-स्त्री जो प्रसव से गुजर रही होती है Parturient कहलाती है
- **Puerpera -** स्त्री जिसने अभी-अभी शिशु को जन्म दिया है, Puerpera कहलाती है।
- **Puerperium**-यह शिशु प्रसव के बाद की अवधि है, जिसमें स्त्री के जनन अंग गर्भावस्था की पूर्व अवस्था में वापस आते हैं।

We Promote R.H.M. Run By Govt. Of India

पता :– 101/C, (ग्रामीण स्वास्थ्य भवन) संजय गांधी पुरम, नियर लेखराज मैट्रो स्टेशन (फैजाबाद रोड) लखनऊ (उ0प्र0) – 226016, फोन – 0522–4958027, मो0 : 9565600144, 7310000213, ई–मेल : rhmpup@gmail.com वेबसाइट: www.cmseddelhi.in, www.rhmp.org.in